कानपुर-आगरा के बीच बनेंगे चमड़ा उत्पादों के दो मेगा क्लस्टर

अमित अवस्थी

ताइवान, यूरोप और अमेरिका की कंपनियां उत्पादों के लिए लगा सकती हैं साझा उपक्रम

कानपुर में चमड़ा उत्पादों का और आगरा में फुटवियर का बनेगा क्लस्टर

उद्योग निदेशालय ने शासन को भेजी रिपोर्ट

कानपुर। आम बजट में उत्तर प्रदेश के लिए दो मेगा लेदर क्लस्टर स्थापित करने की घोषणा की गई है। यह दोनों कानपुर-आगरा के बीच बनाए जाने की योजना है। इसके लिए जरूरी भूमि बैंक तैयार है। किस स्थान पर बनाया जाना है, इसके लिए शासन से दिशा निर्देश मिलने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

इस संबंध में उद्योग निदेशालय से एक रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। माना जा रहा हैं कि जल्द ही उत्तर प्रदेश सरकार के बजट सत्र के दौरान इसे लेकर घोषणा की जा सकती है।

इस मेगा परियोजना के तहत चमड़ा उत्पादों के लिए एक मेगा क्लस्टर कानपुर महानगर के क्षेत्र और फुटवियर के लिए आगरा क्षेत्र में क्लस्टर बनने की संभावना है। बताया जा रहा है कि इन मेगा क्लस्टर में ताइवान, यूरोप, अमेरिका की कंपनियों से साझा उपक्रम लगाने के लिए बातचीत भी चल रही है। जिसमें जूता, जैकेट, बैग व चमड़े के दूसरे उत्पाद बनाने वाली कंपनियों एडीडॉस, नाइकी, प्यूमा जैसे ब्रांडों को यहां पर निवेश के लिए बुलाने का प्रयास भी किया जा रहा है।

मेग लेदर क्लस्टर के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। केंद्र सरकार के बजट में कानपुर और आगरा के बीच में क्लस्टर बनाए जाने की बात कही गई है। उसके आधार पर आगे की प्रक्रिया की जाएगी। इस क्लस्टर में देश के अलावा चमड़ा कारोबार से जुड़ी दुनिया की बड़ी कंपनियों को भी निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसके लिए जमीन पर्याप्त मात्रा में है। **-के. विजयेंद्र पांडियन, निदेशक उद्योग उप्र**

रमईपुर में मेगा लेदर क्लस्टर का शिलान्यास 23 मार्च को

260 एकड़ में बनेगा

कानपुर। कानपुर-उन्नाव के बीच रमईपुर में बनाए जाने वाले मेगा लेदर क्लस्टर का शिलान्यास 23 मार्च को किया जाएगा। केंद्र सरकार को मंजूरी के बाद शासन से इसको शुरू करने की प्रक्रिया पर तेजी से काम किया जा रहा है। इस संबंध में उद्योग निदेशालय ने भी रूपरेखा तैयार कर ली है। इसको पूरा होने में करीब दो वर्ष का समय लग सकता है। यहां पर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने के बाद ही चमड़ा कारोबार शुरू हो पाएगा।

उद्योग निदेशक के. विजयेंद्र पांडियन के अनुसार रमईपुर मेगा लेदर क्लस्टर का कुल क्षेत्र 260 एकड़ का होगा। इस बार के प्रदेश सरकार के बजट में भी इसके लिए प्रावधान किए जाने के संकेत हैं। इस क्लस्टर के स्थापित होने से दो लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। यहां पर चमड़ा उत्पादों की फ्लेटेड इकाइयों समेत 150 से अधिक टेनरियों की स्थापना भी की जाएगी। करीब आठ साल पुराने इस प्रोजेक्ट के धरातल पर उतरने की जानकारी से मिलने से शहर के चमड़ा कारोबारियों ने खुशी है। इस क्लस्टर में 30 फीसदी ग्रीन बेल्ट होगी। यहां पर 20 एमएलडी क्षमता वाला ट्रीटमेंट प्लांट लगेगा। इसके अलावा प्रदर्शनी स्थल, कॉमन फैसिलिटी सेंटर जैसी सुविधाएं यहां पर मिलेंगी। यहां पर सालाना 13 हजार करोड़ का सालाना कारोबार होने की संभावना है।

150 से अधिक टेनरियों की स्थापना की जाएगी